राजपूत काल में भारत पर वैदेशिक आक्रमणों का प्रभाव

संतोष कुमार

राजपूत काल में भारत पर अनेक बार विदेशियों ने आक्रमण किये। प्रारंभ में अरबों ने आक्रमण किये, किन्तु वे विशेष सफलता प्राप्त न कर सके। अरबों के आक्रमण सातवीं तथा आठवीं शताब्दियों में हुए थे। तुर्को के प्रारंभिक आक्रमणों का उदेश्य तो धन–सम्पति को लूटना था, किन्तु बाद में उनका उदेश्य साम्राज्यवादिता में बदल गया। तुर्कों के आक्रमणों से भारत से अत्यधिक हानि हुई क्योंकि उन्होंने न केवल यहां की धन सम्पति पर अधिकार किया वरन् हिन्दू राज्य के स्थान पर तुर्क–शासन की स्थापना की। इस प्रकार हिन्दू–राज्य का स्वतंत्र अस्तित्व ही समाप्तप्राय हो गया।